**आदेश 21, नियम 89 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अतिसादर पूर्वक प्रदर्शित करता है

1. यह कि यह निवेदन किया जाता है कि आवेदक निर्णीत ऋणी की नीचे नोट की गयी स्थावर सम्पत्ति डिक्री के निष्पादन में तारीख..........को नीलामी विक्रय पर बेचा जा चुका था।

(सम्पत्ति का वर्णन करे)

1. यह कि बोली.. ...........................के पक्ष में खत्म कर दी गयी।
2. यह कि खर्च साथ में डिक्रीत कुल रकम विक्रय की उद्घोषणा में विनिर्दिष्ट रूप में...................है।
3. यह कि क्रय धन की रकम की नीलामी क्रेता द्वारा आदरणीय न्यायालय में निक्षेप किया हुआ है।

**प्रार्थना**

अतएव, यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि नीलामी विक्रय द्वारा की गयी सम्पत्ति का विक्रय इस आदरणीय न्यायालय में आवेदक................... निर्णीत ऋणी द्वारा डिकीत रकम....................रुपये के निक्षेप पर अपास्त कर दिया जाय। यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**वादी**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.............**

**तारीख..............**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

मै............निवासी...............निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में ............. हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

 **सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**